पाठ 1. सूरज का गोला

I. मौखिक कौशल

1. इस कविता में सुबह के समय की बात की गई है।
2. इस कविता के रचयिता भवानीप्रसाद मिश्र हैं।

II. लिखित कौशल

1. सूरज का आकार गोल होता है। **2.** सूरज सबसे जगने के लिए कह रहा है।
3. सूरज के निकलने पर पंछी चहकने लगे।
4. सूरज के निकलने पर जंगल में मोर नाचने लगा।
5. सूरज जब आसमान में ऊपर उठा तब सबने उसके स्वागत में अपने घरों के दरवाज़े खोल दिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) आसमान, पट, पहले, गोला (ख) फैली, किरणें, रंग **2.** (क) (i) (ख) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

सूरज प्रतिदिन आकर संदेश देता है कि हमें आलस्य त्यागकर अपने-अपने कामों में जुट जाना चाहिए। हमें अपनी मेहनत से इस संसार को सुंदर बनाना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (ख) फूलों (ग) फलों (घ) पत्तों (ङ) बीजों (च) कलियों (छ) गाँवों (ज) किरणों
2. (क) सूरज की किरण पड़ते ही फूल खिल उठा।
   (ग) लकड़हारा जंगल से लकड़ियाँ काटकर ला रहा था।
   (घ) बिजली जाते ही कमरे में अँधेरा हो गया।
   (ङ) बच्चों ने शोर मचा-मचाकर सारा घर सिर पर उठा लिया।
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. प्रभात, प्रसून, दिनकर, दिवस, आसमान **2. 3.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 2. मिट्ठू

I. मौखिक कौशल

1. सरकस कंपनी के पास शेर, भालू, चीता और कई अन्य जानवर भी थे।
2. गोपाल ने मिट्ठू को खरीदने के लिए माँ से पैसे माँगे थे।
3. मिट्ठू को चीते ने घायल कर दिया था।
4. गोपाल मिट्ठू को लेकर अपने घर गया।

II. लिखित कौशल

1. मिट्ठू नाम का बंदर बच्चों को सबसे प्यारा लगता था।
2. गोपाल मिट्ठू के लिए घर से चने, मटर और केले ले जाता था।
3. माँ ने गोपाल को समझाया कि बंदर किसी को प्यार नहीं करता। वह तो बड़ा शैतान होता है। यहाँ आकर सबको काटेगा, बेकार में लोगों की बातें सुननी पड़ेंगी।
4. गोपाल को पिंजरे के पास देखकर चीते ने अपना पंजा बाहर निकाला और गोपाल को पकड़ने की चेष्टा करने लगा।
5. चीता गोपाल को पकड़कर खींचने ही वाला था कि मिट्ठू न जाने कहाँ से आकर उसके पंजे पर कूद पड़ा और पंजे को दाँतों से काटने लगा। इससे गोपाल चीते की पकड़ से छूट गया। इस प्रकार मिट्ठू ने गोपाल को बचाया।
6. सरकस कंपनी के मालिक ने गोपाल से पूछा, ''अगर तुम्हें मिट्ठू मिल जाए तो तुम क्या करोगे?'' इसपर गोपाल ने कहा कि मैं उसे अपने साथ ले जाऊँगा, उसके साथ खेलूँगा, उसे अपनी थाली में खिलाऊँगा, और क्या!

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ख) (घ) (च) (ग) (छ) (क) (ङ)
2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. मिट्ठू ने गोपाल की जान बचाई। इससे यह सीख मिलती है कि पशु स्वामिभक्त और वफ़ादार होते हैं, जिनसे वे प्रेम करते हैं उनकी रक्षा को भी तत्पर रहते हैं। हमें भी उनकी तरह एक-दूसरे से प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए तथा दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।
2. गोपाल ने संदेश देना चाहा है कि प्रेम के बल पर जानवरों को भी अपना बनाया जा सकता है। हमें जानवरों का ध्यान रखना चाहिए तथा उन्हें परेशान नहीं करना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. जातिवाचक संज्ञा – शहर, रोटी, शेर, बच्चा
   व्यक्तिवाचक संज्ञा – मिट्ठू, पटना, गोपाल, लालकिला
   भाववाचक संज्ञा – प्यार, दुख, दोस्ती, उदासी
2. (क) चीते (ख) केले (ग) बच्चे (घ) पिंजरे (ङ) आँखें (च) रोटियाँ
3. (क) बच्चों का लाया उपहार देख माँ की आँखें में आँसू आ गए।
   (ख) राजा के खजाने में बहुमूल्य हीरे-जवाहरात हैं।

(ग) राधा बहुत चुपचाप रहती है, किसी से ज़्यादा बात नहीं करती।
(घ) गुरु जी के वचनों का शिष्यों पर बहुत प्रभाव पड़ा।
(ङ) झगड़ने के बाद राम और दीपू ने फिर से दोस्ती कर ली।

4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. भेड़िया, शेर, जिराफ़, सियार, चीता, हिरण, तेंदुआ, भालू, बंदर, हाथी
   शेष प्रश्न बच्चे स्वयं करें।

पाठ 3. अभ्यास का महत्व

I. मौखिक कौशल

1. गुरु जी ने वरदराज को सलाह दी कि विद्याधन तुम्हारे भाग्य में नहीं है। इससे अच्छा तो यही है कि तुम अपने घर जाओ और वहाँ का काम-काज देखो।
2. वरदराज ने कुएँ के पास पहुँचने पर देखा कि पानी खींचने की रस्सी की रगड़ से कुएँ की जगत पर निशान पड़ गए हैं और मिट्टी के घड़ों को रखने से ज़मीन पर गड्ढे पड़ गए हैं।
3. वरदराज को लौटकर आता देख गुरु जी ने सोचा कि शायद वरदराज का आश्रम में कुछ छूट गया हो जिसे लेने वह लौटा है।
4. संस्कृत के सबसे बड़े विद्वान का नाम पाणिनी है।

II. लिखित कौशल

1. बालक वरदराज के पिता ने उसे पढ़ने के लिए आश्रम में भेजा था।
2. गुरु जी वरदराज को जो कुछ भी पढ़ाते थे, उसे वह याद ही नहीं रख पाता था। उसकी ऐसी स्थिति देखकर आश्रम में रहने वाले बच्चे वरदराज को 'मंदबुद्धि' कहकर चिढ़ाने लगे।
3. वरदराज को चिंता सताने लगी कि घर लौटने पर उसके पिता क्या सोचेंगे। गाँव के लोग भी उसे 'मूर्ख-महामूर्ख' कहकर दुत्कारेंगे।
4. कुएँ की जगत पर पड़े निशान को देखकर वरदराज ने विचार किया कि जब रस्सी की बार-बार रगड़ खाने से कठोर पत्थर पर निशान पड़ सकते हैं तो क्या लगातार परिश्रम करने से मैं विद्वान नहीं बन सकता!
5. कुएँ पर से लौटकर वरदराज आश्रम में गया।
6. दोबारा आश्रम में पहुँचकर वरदराज देर रात तक पढ़ता और प्रातः सबसे पहले उठ जाता। वह अपना एक क्षण भी व्यर्थ न गँवाता। उसने दिन-रात एक कर दिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही (च) सही
2. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. गुरु जी ने वरदराज को सत्तू देकर इस भावना का परिचय दिया है कि शिष्य चाहे होनहार हो या मूर्ख गुरु को उनके सभी शिष्य एक समान प्रिय होते हैं तथा वे माता-पिता की भाँति उनका ध्यान रखते हैं।
2. वरदराज के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि हमें कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। हमें बार-बार प्रयत्न करते रहना चाहिए। अभ्यास ही मनुष्य को सफलता दिलाता है। जब तक हम अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लें तब तक कठिन परिश्रम करते रहना चाहिए। हमें छोटी-छोटी घटनाओं से सीखना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) बच्चियाँ (ख) माता (ग) विदुषी (घ) बालिका (ङ) सहपाठिन (च) बेटी
2. (क) भाववाचक संज्ञा (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ग) जातिवाचक संज्ञा (घ) जातिवाचक संज्ञा (ङ) भाववाचक संज्ञा (च) व्यक्तिवाचक संज्ञा

3. (क) परिवर्तन (ख) व्यर्थ (ग) मस्तिष्क (घ) प्रयत्न (ङ) मंदबुद्धि

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) हिंदी (ख) मराठी (ग) तेलुगु (घ) असमिया (ङ) तमिल (च) कन्नड़

2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 4. लुई ब्रेल

I. मौखिक कौशल

1. राघव के नए पड़ोसी के बेटे का नाम कार्तिक था।
2. श्रीमती मेहता ने कक्षा में लुई ब्रेल के बारे में बतलाया।
3. लुई की आँख में चोट लगने के कारण उसकी दोनों आँखों की रोशनी चली गई।
4. चार्ल्स बारबियर ने सैनिकों के लिए गुप्त भाषा तैयार की थी।
5. लुई ब्रेल की लिपि का नाम 'ब्रेल लिपि' है।

II. लिखित कौशल

1. राघव अपने सहपाठियों को अपने नए पड़ोसी के बेटे कार्तिक के बारे में बताना चाहता था। इसलिए उसको विद्यालय पहुँचने की जल्दी थी।
2. लुई ब्रेल के पिता चमड़े का सामान बनाकर बाज़ार में बेचा करते थे।
3. अपने पिता की वर्कशॉप में औज़ारों से खेलते समय भूलवश एक औज़ार लुई ब्रेल की आँख में लग गया। ज़ख्म गहरा हो जाने से उसकी दोनों आँखों की रोशनी चली गई।
4. पादरी महोदय प्रतिदिन लुई ब्रेल को लेकर किसी बड़े वृक्ष के नीचे बैठ जाते और उन्हें बाइबिल की कहानियाँ सुनाया करते थे। उन्होंने लुई को फूलों और पक्षियों की पहचान करना सिखाया, साथ ही संगीत का अध्ययन कराया। पादरी महोदय ने एक स्कूल के प्रधानाध्यापक से लुई को प्रवेश देने का अनुरोध भी किया। इस प्रकार पादरी ने लुई ब्रेल की बहुत सहायता की।
5. गुप्त भाषा के द्वारा सैनिक रात के अँधेरे में संदेशों का आदान-प्रदान कर सकें इसलिए चार्ल्स बारबियर गुप्त भाषा तैयार कर रहे थे।
6. चार्ल्स बारबियर से प्रेरणा लेकर लुई ब्रेल के अंदर नई लिपि बनाने की धुन सवार हो गई। बहुत कोशिशों के बाद लुई ब्रेल को अपने प्रयास में कामयाबी मिली।
7. 'ब्रेल लिपि' में अक्षरों और गणित के चिह्नों को कागज़ पर हलका उभार देकर छापा जाता है जिसे स्पर्श करके आसानी से अक्षर, शब्द, वाक्य आदि पढ़े जा सकते हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सन् 1829 (ख) सन् 1837 (ग) सन् 1821 (घ) सन् 1852 (ङ) सन् 1809
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. दूसरों की सहायता करना, उनके अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानना तथा निरंतर अभ्यास द्वारा उसे निखारना जैक्विस पेलुई के व्यक्तित्व की खूबियाँ थीं।
2. लुई ब्रेल के व्यक्तित्व से हमें प्रेरणा मिलती है कि कठिन परिश्रम और लगन से असंभव-सा दिखने वाला काम भी संभव हो जाता है। हमें जीवन में कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। हम अपने कार्य में सुधार करके उसे और भी बेहतर बना सकते हैं। हमें समाज सेवा और मानव कल्याण के बारे में सोचना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) शांति (ख) मित्रता (ग) गहराई (घ) बालपन (ङ) अंधकार (च) कठिनाई

2. (क) उन्होंने पुस्तकें प्रकाशित कीं।
   (ख) वह उँगलियों के स्पर्श से पुस्तक पढ़ लेता था।
   (ग) उसकी आँखों की रोशनी चली गई।
   (घ) इस लिपि से दृष्टिबाधित लोगों की कठिनाइयाँ दूर हो गईं।

3. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 6. पेड़

I. मौखिक कौशल

1. इस कविता में पेड़ों के बारे में वर्णन किया गया है।
2. इस कविता के रचयिता द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी हैं।

II. लिखित कौशल

1. पेड़ धूप सहकर भी हमें छाया देते हैं।
2. पेड़ गंदी हवा को प्राणवायु के रूप में बदल देते हैं।
3. वर्षा पेड़ों के कारण होती है।
4. यदि हम पेड़ों को काटते जाएँ तो हमें साँस लेने के लिए शुद्ध हवा नहीं मिलेगी और हमारी ज़िंदगी रुक जाएगी।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. काटते, छाँह, मदद, डालियों **2.** (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कविता के माध्यम से कवि ने संदेश दिया है कि हमें पेड़ों को काटने से बचाना चाहिए। पेड़ों से ही मानव जीवन है। हमें सभी को इस बारे में जागरूक करना चाहिए और अधिक-से-अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) वृक्ष, तरु, विटप (ख) वायु, पवन, समीर (ग) जंगल, कानन, विपिन
   (घ) पानी, नीर, पय (ङ) घन, मेघ, जलधर
2. (क) हमें अपने मित्रों की मदद करनी चाहिए। (ख) किसान दिन-रात खेत में मेहनत करते हैं।
   (ग) पेड़-पौधों से जीव-जंतुओं की ज़िंदगी चलती है।
   (घ) सूखा पड़ने से गाँव की धरती बंजर हो गई।
3. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 7. काली परी

I. मौखिक कौशल

1. राजकुमार की इच्छा थी कि वह बड़ा होकर किसी परी से विवाह करे।
2. राजकुमार ने स्वप्न में देखा कि एक लड़की सरोवर के किनारे बैठी है।
3. लड़की ने अपना नाम कजली बतलाया।
4. राजा ने राजकुमार का विवाह कजली से करवा दिया।

II. लिखित कौशल

1. जब राजकुमार बड़ा हो गया तब राजा को उसके विवाह की चिंता हुई।
2. राजकुमार परी की तलाश में चित्रगिरी पर्वत की ओर गया था।
3. राजकुमार ने सरोवर के किनारे एक पुराने मंदिर में डेरा डाला।
4. सरोवर के किनारे बैठी लड़की के बाल काले और घने थे। उसके बालों में एक फूल लगा हुआ था। लड़की का रंग एकदम काला था किंतु वह देखने में बहुत ही सुंदर थी मानो काले रंग के पत्थर पर बनाई गई सुंदर मूर्ति हो।
5. राजकुमार लड़की को अपने साथ महल ले आया।
6. परी का असली रूप देखने के लिए नगरवासी राजमहल के बाहर जमा हो गए थे।
7. कजली के न मिलने पर राजकुमार को याद आया कि परियाँ अपना परिचय इसी तरह देती हैं और फिर सदा के लिए चली जाती हैं। फिर वे हाथ नहीं आतीं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (घ) (ख) (ग) (ङ) (क) **2.** (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें किसी के रूप-रंग पर ध्यान न देकर उसके गुणों पर ध्यान देना चाहिए। इनसान की सच्ची पहचान उसके गुणों से ही होती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) उसे (ख) तुम (ग) मैं (घ) उससे (ङ) अपना (च) वे
2. (क) राजकुमार ने कजली से कहा, "तुम अपना असली रूप दिखाओ।"
   (ख) कजली ने जवाब दिया, "वह तो असली रूप में ही है।"
   (ग) जब राजकुमार का धीरज टूट गया तब उससे रहा न गया।
   (घ) राजकुमार को याद आया कि परियाँ अपना परिचय देकर चली जाती हैं।
3. (क) तालाब (ख) सपना (ग) बेटा (घ) पहाड़ (ङ) अश्व (च) शादी
4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) फाल्गुन (ख) आश्विन (ग) भाद्रपद (घ) श्रावण (ङ) कार्तिक
   शेष प्रश्न बच्चे स्वयं करें।

पाठ 8. पुत्री को पत्र

I. मौखिक कौशल

1. यह पत्र नेहरू जी ने इंदिरा जी को लिखा था। **2.** नेहरू जी नैनी जेल में बंद थे।

3. इस पत्र में मिस्र देश के बारे में जानकारी दी गई है।

II. लिखित कौशल

1. पुराने ज़माने के लोगों के बारे में उनके बनाए हुए बड़े-बड़े मकानों और इमारतों से पता चलता है। इसके अतिरिक्त कुछ बहुत पुरानी किताबें भी हैं जिनसे उस समय के बारे में ज्ञात होता है।

2. स्फिंक्स औरत के सिर वाली शेर की मूर्ति को कहते हैं। इसका डीलडौल बहुत बड़ा होता है। किसी को यह नहीं मालूम कि यह मूर्ति क्यों बनाई गई। उस औरत के चेहरे पर एक अजीबोगरीब मुसकराहट झलकती है और किसी की समझ में नहीं आता कि वह इस तरह क्यों मुसकरा रही है।

3. ममी किसी आदमी या जानवर के मृत शरीर को कहते हैं।

4. पुराने ज़माने में मिस्र में खेतों को सींचने के लिए अच्छी-अच्छी नहरें और झीलें बनाई जाती थीं। इन नहरों, झीलों और बड़ी-बड़ी मीनारों को अच्छे-अच्छे इंजीनियरों ने ही बनाया होगा। इससे पता चलता है कि पुराने ज़माने में मिस्र के लोग होशियार थे।

5. मीदास को अपने लालच की सज़ा मिली थी।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही

2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

मिस्रवासी बादशाहों को मरने के बाद ममी बनाकर बड़ी-बड़ी मीनारों में रख देते थे। इससे यह पता चलता है कि वे अपने बादशाहों से प्रेम करते थे। वे उनके पास खाने की वस्तुएँ रख देते थे। उनका विचार था कि शायद मरने के बाद भी उन्हें खाने की आवश्यकता रहेगी। उनके द्वारा बनाई गई नहरें, झीलें और बड़ी-बड़ी मीनारें उस समय की तकनीकी योग्यता को साबित करती हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) पुरानी (ख) कीमती (ग) लालची (घ) लाभदायक (ङ) अच्छी

2. (क) बहुवचन (ख) एकवचन (ग) बहुवचन (घ) बहुवचन (ङ) एकवचन

3. (क) मिस्र (ख) मसाला (ग) मूर्ति (घ) बादशाह (ङ) होशियार (च) आवश्यकता

4. (क) स्त्रीलिंग (ख) पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) स्त्रीलिंग (ङ) स्त्रीलिंग (च) स्त्रीलिंग

5. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. इटली, रूस, चीन, इराक, स्पेन, जर्मनी, थाइलैंड, फ्रांस, जापान, भूटान

2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 9. हिमालय की याद में

I. मौखिक कौशल

1. हिमालय सदियों से दृढ़ता से खड़ा है।
2. विश्व की सबसे ऊँची पर्वत चोटी सागरमाथा (एवरेस्ट) है।
3. 23 मई 1984 को बछेंद्री पाल ने एवरेस्ट पर पहुँचने में सफलता पाई थी।
4. हिमालय पर फूलों और जड़ी-बूटियों की लगभग चौदह हज़ार किस्में पाई जाती हैं।
5. बछेंद्री पाल ने कहा है कि मैं कई बार हिमालय पर गई पर मुझे कभी कोई यति नहीं मिला, ये सब मनगढ़ंत बातें हैं।

II. लिखित कौशल

1. बछेंद्री पाल ने एवरेस्ट पर पहुँचकर घुटने टेके और सिर झुकाकर माँ दुर्गा को नमन किया। फिर 'हनुमान चालीसा' हिमालय की चोटी पर रखी। उसके बाद वहीं से कुछ तस्वीरें खींची।
2. बछेंद्री पाल सबसे पहले बारह वर्ष की उम्र में अपने स्कूल की ओर से पिकनिक मनाने के लिए हिमालय पर चढ़ी थीं।
3. ऐसा कहकर बछेंद्री पाल ने संदेश दिया है कि हम कितनी भी ऊँचाई पर पहुँच जाएँ, नीचे देखने के लिए झुकना ही पड़ता है अर्थात् झुककर रहने वाले ही सफल माने जाते हैं।
4. तपस्या में लीन ऋषियों को देखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।
5. जिन्हें बर्फ़ से खेलना है, वे यहाँ सर्दियों में जाएँ और जो रंग-बिरंगे फूलों की सुंदरता का खज़ाना देखना चाहते हैं, वे जून, जुलाई या अगस्त के महीनों में जाएँ।
6. हिमालय पर जाकर सीखते रहने का कोई अंत नहीं है इसलिए बछेंद्री पाल ने हिमालय को एक पाठशाला कहा है।
7. हिमालय पर चढ़ाई के समय लगभग तीन-चार हज़ार मीटर की ऊँचाई से और ऊपर जाने पर ऑक्सीजन की कमी महसूस होने लगती है।
8. हिमालय पर हवा में नमी कम होती है। जब साँस ले रहे होते हैं तो आप सूखी हवा खींचते हैं और साँस छोड़ते हैं तो भाप-सी निकलती है। नमी निकलने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। चढ़ाई के दौरान बर्फ़ देखकर ज़्यादा कपड़े पहनने से भी पसीना खूब आता है। पसीने के रूप में पानी निकल जाना भी अच्छा नहीं रहता इसीलिए हिमालय पर चढ़ने वालों को पानी बहुत पीना चाहिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) गलत
2. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. हिमालय पर चढ़ने के लिए मनुष्य में साहस, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृढ़ इच्छाशक्ति, कठिन परिस्थितियों का सामना करने की हिम्मत तथा शारीरिक मज़बूती आदि गुण होने चाहिए।
2. हिमालय में कुछ ऐसा आकर्षण है जो हर किसी को अपने पास बुलाता है और अपनी ओर खींचता है। वह हमें कठिन परिस्थितियों का दृढ़ता के साथ सामना करने के लिए प्रेरित करता है। हमें कम सुविधाओं में भी जीवन जीना आना चाहिए। हिमालय हमें आगे

बढ़ने और हमेशा कुछ-न-कुछ सीखते रहने के लिए भी प्रेरित करता है।

V. भाषा कौशल

1. (क) उथलापन (ख) असफलता (ग) उतरना (घ) पीछे (ङ) आसान (च) गीली

2. (क) सुंदर + ता (ख) गहरा + ई (ग) रोमांच + इत (घ) गुलाब + ई (ङ) अचंभा + इत

3. (क) दृढ़ निश्चय वाले को मुश्किल नहीं होती।

(ख) रमेश को व्यापार में बहुत नुकसान उठाना पड़ा।

(ग) ईश्वर प्रत्येक मनुष्य की आत्मा में वास करता है।

(घ) मेट्रो रेल के कारण यात्रियों को बहुत सुविधा हो गई है।

4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

जाँच पत्र-1
(पाठ 1-9 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) सूरज सबसे जगने के लिए कह रहा है।

(ख) माँ ने गोपाल को समझाया कि बंदर किसी को प्यार नहीं करता। वह तो बड़ा शैतान होता है। यहाँ आकर सबको काटेगा, बेकार में लोगों की बातें सुननी पड़ेंगी।

(ग) गुरु जी वरदराज को जो कुछ भी पढ़ाते थे, उसे वह याद ही नहीं रख पाता था। उसकी ऐसी स्थिति देखकर आश्रम में रहने वाले बच्चे वरदराज को 'मंदबुद्धि' कहकर चिढ़ाने लगे।

(घ) अपने पिता की वर्कशॉप में औज़ारों से खेलते समय भूलवश एक औज़ार लुई ब्रेल की आँख में लग गया। ज़ख्म गहरा हो जाने से उसकी दोनों आँखों की रोशनी चली गई।

(ङ) पुराने ज़माने में मिस्र में खेतों को सींचने के लिए अच्छी-अच्छी नहरें और झीलें बनाई जाती थीं। इन नहरों, झीलों और बड़ी-बड़ी मीनारों को अच्छे-अच्छे इंजीनियरों ने ही बनाया होगा। इससे पता चलता है कि पुराने ज़माने में मिस्र के लोग होशियार थे।

(च) हिमालय में कुछ ऐसा आकर्षण है जो हर किसी को अपने पास बुलाता है और अपनी ओर खींचता है। वह हमें कठिन परिस्थितियों का दृढ़ता के साथ सामना करने के लिए प्रेरित करता है। हमें कम सुविधाओं में भी जीवन जीना आना चाहिए। हिमालय हमें आगे बढ़ने और हमेशा कुछ-न-कुछ सीखते रहने के लिए भी प्रेरित करता है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों के अर्थ लिखिए–

(क) सूर्योदय होने पर चारों ओर प्रकाश फैल जाता है। लोग सूरज की किरणों को प्राप्त करने के लिए अपने घर के दरवाज़े खोल देते हैं। रोशनी और धूप का स्वागत करते हैं।

(ख) वृक्ष हमारे लिए वर्षा लाते हैं। वर्षा का जल हमारे खेतों को सींचता है। खेतों में हरियाली छाने लगती है। उपवन, वन सभी जगह हरे-भरे पौधे दिखाई देते हैं।

3. पाठ के आधार पर बताइए कि ये वाक्य सही हैं या गलत–

(क) सही (ख) सही (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही

4. इन वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) जानवर (ख) बेटा (ग) उसकी (घ) दिखाएगी (ङ) लालची

5. उचित विकल्प चुनिए–

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii) (घ) (i) (ङ) (ii)

6. इन मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) अधिक परिश्रम करना (ख) सचेत होना (ग) पछताना (घ) भावुक हो जाना
(ङ) लगन लगना (च) अत्यधिक प्रसन्न होना

पाठ 11. वर्षा ऋतु

I. मौखिक कौशल

1. इस कविता में वर्षा ऋतु के बारे में वर्णन किया गया है।
2. इस कविता के रचयिता नर्मदाप्रसाद खरे हैं।

II. लिखित कौशल

1. रिमझिम-रिमझिम सी बूँदें
   जग के आँगन में आईं।
   इन पंक्तियों द्वारा बारिश की बूँदों के धरती पर पड़ने का पता चलता है।
2. बादल गरज-गरजकर मस्त कर देने वाला संगीत सुनाते हैं।
3. बारिश होने से नदियों को नया जन्म मिल जाता है।
4. वर्षा ऋतु में वन-उपवन सब पनप जाते हैं। ज़मीन से नए अंकुर निकल आते हैं तथा पीले-पीले पत्ते फिर से हरियाली लेकर आते हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) नवजीवन, सौंदर्य (ख) मयूर, नभ 2. (क) (ii) (ख) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

कविता की अंतिम पंक्तियों में कवि ने संदेश दिया है कि हमें अपना प्रत्येक क्षण हँसी-खुशी से बिताना चाहिए। हमें अपना तथा दूसरों का जीवन मधुर बनाना चाहिए। अपने घर रूपी छोटे-से संसार को खुशियों से भर देना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (क) रिमझिम-रिमझिम (ख) हँस-हँस (ग) हरी-भरी (घ) वन-उपवन
2. (क) हँसते-हँसते, बार-बार, छोटे-छोटे, लाल-लाल
   (ख) घर-द्वार, चाय-नाश्ता, कपड़ा-लत्ता, खाना-पीना
   (ग) हार-जीत, इधर-उधर, यहाँ-वहाँ, आना-जाना
   (घ) पेड़-वेड़, अनाप-शनाप, रोटी-सोटी, ठंडा-वंडा
3. (क) पल्लव, हल्ला, मोहल्ला (ख) उन्मत्त, पत्ता, छत्ता
   (ग) मध्य, संध्या, बाध्य (घ) जन्म, सन्मार्ग, तन्मय (ङ) प्रण, प्रणाम, प्रति
4. (क) भारत के कोने-कोने में सुंदरता बिखरी पड़ी है।
   (ख) उपवन में कई तरह के फूल खिले हुए हैं।
   (ग) वर्षा होने से पेड़ पौधों पर हरियाली छा जाती है।
   (घ) आसमान में काली घटा के छाने पर मोर नाच उठे।
   (ङ) हमें अपने ही नहीं दूसरों के सुख-दुख का भी खयाल करना चाहिए।
5. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 12. घमंड का फल

I. मौखिक कौशल

1. जंगल में पेड़ों के बीच बहस छिड़ गई थी।
2. सबसे अधिक गुस्से में बाँस का पेड़ था।
3. बड़े-बड़े पेड़ दूब की बात सुनकर हँसने लगे थे।
4. तूफ़ान आने के बाद भी दूब जंगल में बची रही।

II. लिखित कौशल

1. पेड़ों में यह बहस छिड़ गई थी कि उन सबमें ज़्यादा शक्तिशाली कौन है।
2. बरगद के पेड़ ने कहा कि मेरी तो एक-एक शाखा ही मज़बूत पेड़ के समान है।
3. पीपल के पेड़ के अनुसार, वह सब पेड़ों में पवित्र माना जाता है इसलिए तो लोग उसे ईश्वर मानकर पूजते हैं।
4. सागौन के पेड़ ने अपने बारे में कहा कि अपने मुँह मियाँ मिट्ठू भला मैं क्यों बनूँ, मेरी मज़बूती तो जग-जाहिर है। जितनी भी मज़बूत वस्तुएँ बनाई जाती हैं उन सबमें मेरी लकड़ी ही उपयोग में आती है। ताकत में तो मैं ही सबसे ज़्यादा ताकतवर हूँ और भरोसेमंद भी।
5. देवदार के पेड़ ने कहा कि तुम सबकी बातें सुनकर बड़ा मज़ा आ रहा है। लेकिन, क्या मेरी ताकत के बारे में तुम्हें नहीं पता? मैं तो पहाड़ों पर ही उगता हूँ। सोचो, मैं इतनी ऊँचाई पर रहता हूँ। मेरे जितनी ठंड तुम सहन भी नहीं कर पाओगे। भला मुझसे बड़ा कौन हो सकता है!
6. बाँस ने कहा कि मेरे यहाँ रहते कोई दूसरा शक्तिशाली कैसे हो सकता है! क्या जंगल के पेड़ों को पता नहीं कि मेरे बल पर ही ताकत का फ़ैसला होता है? जानते हो, मैं जिसके पास होता हूँ, वह अपने आप ही ताकतवर कहलाने लगता है। तभी तो लोग कहते हैं-'जिसकी लाठी उसकी भैंस।'
7. दूब ने पेड़ों को समझाना चाहा कि तुम सब इतने बड़े होकर भी आपस में लड़ते-झगड़ते क्यों हो? ताकत का घमंड कभी अच्छा नहीं होता। जो ताकत का घमंड करता है, वही सबसे अधिक कमज़ोर होता है।
8. जंगल में तूफ़ान आने पर सभी पेड़ अपने घमंड में अकड़कर खड़े रहे। जो पेड़ जितना अकड़कर खड़ा था, उसे तूफ़ान ने उतनी ही जल्दी उखाड़ दिया।
9. जब सब कुछ शांत हो गया तो दूब ने देखा कि जंगल के सभी पेड़ अपनी जड़ों से उखड़े पड़े दर्द से कराह रहे हैं। वह अकेली थी जो उन पेड़ों के बीच अपना सिर उठाए हवा के झोंकों के संग खेल रही थी।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) बरगद ने (ख) पीपल ने (ग) सागौन ने (घ) देवदार ने (ङ) बाँस ने
2. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. इस पाठ से शिक्षा मिलती है कि हमें घमंड नहीं करना चाहिए। अपनी बड़ाई स्वयं करने से इनसान बड़ा नहीं बन जाता। हमारे गुण ही हमें बड़ा बनाते हैं।

2. हम दूब से सहनशीलता, सादगी तथा विनम्रता जैसे गुण सीख सकते हैं।

V. भाषा कौशल

1. (क) बढ़ाना, बढ़वाना (ख) कहलाना, कहलवाना (ग) बनाना, बनवाना
(घ) कराना, करवाना (ङ) दिखाना, दिखवाना (च) हँसाना, हँसवाना

2. (क) उखड़ना (ख) बनना (ग) कहना (घ) उगना (ङ) करना

3. (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग (ङ) पुल्लिंग (च) पुल्लिंग

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. सेमल, कटहल, महुआ, बबूल, अखरोट, अमरूद, नारियल, जामुन, लीची

2. 3. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 13. भारत-दर्शन

I. मौखिक कौशल

1. भारत के राज्यों को जानने के लिए हमें एक बार भारत-दर्शन करना होगा।
2. भारत का सबसे विशाल बरगद का पेड़ कोलकाता वनस्पति उद्यान में स्थित है।
3. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समाधि स्थल का नाम राजघाट है।
4. शिमला के लक्कड़ बाज़ार में लकड़ी से बना विभिन्न प्रकार का उपयोगी एवं सजावटी सामान मिलता है।
5. गोवा में लगभग 40 समुद्र तट हैं।

II. लिखित कौशल

1. कोलकाता को 'पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार' कहते हैं।
2. कोलकाता में दुर्गापूजा का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है।
3. लालकिला, कुतुबमीनार, हुमायूँ का मकबरा, इंडिया गेट, अक्षरधाम मंदिर आदि दिल्ली के दर्शनीय स्थल हैं।
4. शिमला हिमालय की वादियों में बसा एक खूबसूरत शहर है। इसलिए शिमला को 'पहाड़ों की रानी' कहा जाता है।
5. शिमला ठंडी जलवायु, प्राकृतिक दृश्यों तथा चीड़ और देवदार के जंगलों के लिए प्रसिद्ध है।
6. कलंगुट बीच, बागा बीच, मीरामार बीच, दोनापाउला बीच, कोलवा बीच, अंजुना बीच, पालोलेम बीच आदि गोवा के प्रमुख समुद्र तट हैं।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) सही (ङ) गलत (च) सही
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

लोगों का राजघाट के दर्शन करने जाना इस बात को स्पष्ट करता है कि लोग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का बहुत सम्मान करते हैं। उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलना चाहते हैं तथा अहिंसा में विश्वास रखते हैं। राजघाट जाकर मन को शांति मिलती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) अनोखा (ख) विदेशी (ग) प्राचीन (घ) कुछ (ङ) पारंपरिक
2. (क) आनंदित (ख) तटीय (ग) प्राकृतिक (घ) दर्शनीय (ङ) आयोजित (च) धार्मिक
3. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

VI. रचनात्मक कोना

1. **प्रवेश** → लालकिला → इंडिया गेट → जंतर मंतर → लोट्स टेंपल → शंकर गुड़िया संग्रहालय → राजघाट → तीनमूर्ति भवन → कुतुबमीनार → हुमायूँ का मकबरा → पुराना किला → **निकास**

   शेष प्रश्न बच्चे स्वयं करें।

पाठ 14. क्यों-क्यों, कैसे-कैसे

I. मौखिक कौशल

1. क्योंजीमल की बात-बात पर 'क्यों-क्यों-क्यों?' पूछने की आदत थी।
2. कैसलिया की बात-बात पर 'कैसे-कैसे-कैसे?' पूछने की आदत थी।
3. गुरु जी को साइकिल शिवदास ने दी थी।
4. क्योंजीमल और कैसलिया की पिटाई रामपाल ने की थी।

II. लिखित कौशल

1. क्योंजीमल का दोस्त सबसे पूछता रहता था–'कैसे-कैसे-कैसे?
2. गुरु जी बाज़ार जा रहे थे।
3. गुरु जी को रास्ते में क्योंजीमल और कैसलिया मिले थे।
4. पहले आटे को परात में रखेंगे, फिर उसमें पानी मिलाकर उसे अच्छी तरह गूँथेंगे। गूँथे आटे को बेलेंगे, फिर उसे तवे पर पकाएँगे और जब वह अच्छी तरह पक जाएगा, उसे आग पर फुलाएँगे। इस प्रकार रोटी तैयार हो जाएगी।
5. रामपाल ने क्योंजीमल और कैसलिया की लाठी से पिटाई करके उन दोनों को सबक सिखाया।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ङ) (च) (ग) (ख) (घ) (क) **2.** (क) (i) (ख) (ii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस पाठ से यह शिक्षा मिलती है कि हमें हर बात पर सवाल नहीं करना चाहिए। अपने बुद्धि-विवेक का इस्तेमाल भी करना चाहिए। अति किसी भी चीज़ की हो, बुरी ही होती है।

V. भाषा कौशल

1. (क) वहाँ (ख) बहुत (ग) अच्छी (घ) झटपट (ङ) शायद
2. (क) पिता जी ने कहा, मेरे बैग में कुछ भी आवश्यक सामान नहीं है।
   (ख) शोभित आज सबसे जल्दी उठ गया।
   (ग) माँ ने लता से पूछा, तुम किधर जा रही हो?
   (घ) लता ने कहा, माँ मैं अभी आती हूँ।
3. (क) उत्तर (ख) अविश्वास (ग) ज़्यादा (घ) सीधा
4. (क) प्रेरणार्थक (ख) सामान्य (ग) सामान्य (घ) सामान्य
   (ङ) प्रेरणार्थक (च) सामान्य
5. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 16. नीति के दोहे

I. मौखिक कौशल

1. अच्छे व्यक्ति पर कुसंगति का प्रभाव नहीं पड़ता है।

2. कटु वचन कहने पर लोग हमारे दुश्मन बन जाते हैं।

II. लिखित कौशल

1. इस पाठ में रहीम, कबीर, वृंद, तिरुवल्लुवर तथा बिहारी के दोहे लिए गए हैं।

2. वृक्ष कभी भी अपना फल नहीं खाता है और न ही नदी अपना जल इकट्ठा करती है। परोपकार के लिए ही साधु जन्म लेते हैं। अर्थात् हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए सिर्फ़ अपने बारे में ही सोचना स्वार्थी लोगों का काम है।

3. आग से लगा घाव भर सकता है परंतु कटु वचन सुनने पर दूसरों को जो पीड़ा होती है, वह कभी नहीं मिटाई जा सकती इसलिए हमें कटु वचन नहीं बोलने चाहिए।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) उत्तम, विष (ख) जतन, बल **2.** (क) (i) (ख) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

पाठ में दिए गए दोहों में सज्जनता, परोपकार, दूरदर्शिता, मीठी वाणी बोलना जैसे गुणों की चर्चा की गई है।

V. भाषा कौशल

1. (क) यत्न (ख) शरीर (ग) कोई (घ) वृक्ष

2. (क) अग्नि, पावक (ख) विषधर, साँप (ग) प्राणी, जीवन (घ) ज़हर, हलाहल

3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

पाठ 17. क्षमादान

I. मौखिक कौशल

1. शिवाजी शयनकक्ष में सो रहे थे।
2. मृत्युदंड पाने के पहले मालवजी अपनी माता जी से मिलना चाहता था।
3. मालवजी की अपनी माता से मिलने की हिम्मत नहीं हुई। मालवजी को भय था कि सारी बातें जानकर उसकी माता जी उसे वापस न आने देंगी।

II. लिखित कौशल

1. शिवाजी की हत्या करने के लिए मालवजी आया था।
2. शिवाजी के दुश्मन ने मालवजी से कहा था कि यदि वह शिवाजी की हत्या कर दे तो वह उसे पुरस्कार देगा।
3. मृत्युदंड पाने के पहले मालवजी अपनी माता जी से मिलना चाहता था परंतु शिवाजी ने उससे कहा कि यदि तुम वापस न लौटे तब? यह सुनकर मालवजी ने कहा कि मैं वीरपुत्र हूँ महाराज! झूठ बोलकर मृत्यु से बचना नहीं चाहता।
4. शिवाजी के मन में मालवजी के प्रति प्रेम पैदा हो गया था। मालवजी के चले जाने के बाद भी शिवाजी उसे याद कर रहे थे इसलिए तानाजी ने मालवजी के बारे में ऐसा कहा।
5. मालवजी ने उत्तर दिया कि महाराज! आपसे विदा होकर मैं घर पहुँचा। मैंने सोचा कि माता जी से सारा भेद कह दूँ, परंतु मेरी हिम्मत न पड़ी। कायरता से नहीं बल्कि इस भय से कि सारी बातें जानकर वह मुझे आप तक आने न देंगी। अब मैं आपकी सेवा में उपस्थित हूँ।
6. शिवाजी से क्षमादान मिलने पर मालवजी प्रतिज्ञा करता है कि वह मातृभूमि की सेवा से कभी पीछे नहीं हटेगा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) शिवाजी ने (ख) ताना जी ने (ग) मालव जी ने
2. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

शिवाजी के चरित्र में वीरों को पहचानने तथा देश-प्रेम की भावना कूट-कूटकर भरी थी। मालवजी एक निडर तथा सच्चा बालक था। तानाजी वीर तथा स्वामिभक्त थे।

V. भाषा कौशल

1. (क) बालक (ख) सज़ा (ग) जिम्मेदारी (घ) डंडा (ङ) केश (च) वज़न
2. (क) मेरे घर में दो प्राणी हैं। (ख) मैं आपकी हत्या करना चाहता था।
   (ग) तुम अपनी माता से मिलकर अवश्य लौटना। (घ) मेरे पिता आपकी सेना में सिपाही थे।
   (ङ) आज तुमने मेरे प्राण बचाए हैं।
3. (क) सुरेश के पिता सेना में सिपाही थे।
   (ख) कैदी ने झूठ बोलकर मृत्यु से बचने की योजना बनाई।
   (ग) एक बालक आपसे मिलने की प्रतीक्षा कर रहा है।
   (घ) राजा ने मालवजी को जीवनदान दिया।
   (ङ) वह आपसे विदा लेकर अपने घर गया।

4. (क) (iii)   (ख) (i)   (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. 2. बच्चे स्वयं करें।

पाठ 18. जादुई बाँसुरी

I. मौखिक कौशल

1. मनुबा एक चरवाहा था।
2. टोप देखकर घोड़ा डर के मारे रुक गया और अपने पिछले पैरों पर खड़ा हो गया।
3. मनुबा ने पहेली का उत्तर टोप बताया था।
4. घुड़सवार ने मनुबा को बाँसुरी दी।

II. लिखित कौशल

1. मनुबा भेड़ों को गाँव से दूर चराने ले जाता था।
2. घुड़सवार ने चिल्लाकर कहा, ऐ लड़के! तुमने मेरे घोड़े को इतना क्यों डरा दिया? क्या तुम बिना शोर मचाए, चुपचाप अपनी भेड़ें नहीं चरा सकते?
3. मनुबा ने घुड़सवार से पूछा था कि वह क्या वस्तु है जो आदमी से ऊँची भी है और मुर्गे से छोटी भी?
4. घुड़सवार ने ऐसी भेड़ माँगी थी जो न सफ़ेद हो, न काली हो, न भूरी हो, न ही चितकबरी और न मटमैले रंग की हो।
5. मनुबा ने घुड़सवार से कहा था कि आप उसी दिन आएँ जब वह सोमवार का दिन न हो, न मंगलवार हो, न बुधवार हो, न बृहस्पतिवार हो, न ही शुक्रवार, शनिवार या रविवार हो।
6. घुड़सवार ने बताया था कि यह जादुई बाँसुरी है। इसे बजाकर तुम जब भी चाहो अपनी आवश्यकता की वस्तु माँग सकते हो। हाँ, एक बात का ध्यान रहे कि यदि तुमने लोभवश कुछ भी माँगा, उसी पल इसका जादू समाप्त हो जाएगा।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (ग) (च) (ख) (ङ) (घ) (क)
2. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

इस पाठ के अंत में यह संदेश छिपा है कि हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। अपनी आवश्यकता की वस्तुओं का ही संग्रह करना चाहिए।

V. भाषा कौशल

1. (ख) बोलकर (ग) चिल्लाकर (घ) चाहकर (ङ) समझकर (च) डराकर
2. (ख) मनुबा प्रश्न पूछकर चुप हो गया। (ग) मनुबा छड़ी फेंककर खुशी से उछल पड़ा। (घ) घुड़सवार चिल्लाकर मनुबा से बोला।
3. (क) अप्रसन्न (ख) जवाब (ग) नीची (घ) लेना
4. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

VI. रचनात्मक कोना

1. (क) मोमबत्ती (ख) मटर
2. (क) घुड़सवार (ख) लड़की (ग) शहनाई (घ) शनिवार (ङ) नारंगी
3. मई, जून, जुलाई और अगस्त **4.** बच्चे स्वयं करें।

पाठ 19. अपना-अपना काम

I. मौखिक कौशल

1. अभयपुरी ब्रह्मपुत्र नदी के किनारे बसा था।
2. टापू पर झोंपड़ी के पास से आवाज़ें आ रही थीं।
3. नाविक को चार बार झोंपड़ी के पास जाना पड़ा था।
4. मंत्री जी सिर्फ़ एक बार झोंपड़ी के पास गए थे।

II. लिखित कौशल

1. एक दिन राजा के मन में नौका विहार करने का विचार आया।
2. राजा तथा मंत्री आँखें मूँदकर शीतल हवा का मज़ा ले रहे थे। उन्हें देखकर नाविकों ने सोचा कि राजा और मंत्री सो रहे हैं।
3. नाविक आपस में बातें कर रहे थे कि देखो, ईश्वर का कैसा न्याय है! हमारी तरह ये मंत्री जी भी तो राजा के सेवक ही हैं लेकिन हम दोनों धूप में पसीना बहा रहे हैं और ये आराम से लेटे हुए हैं लेकिन हमारे राजा को हमारी परवाह कहाँ?
4. राजा ने नाविक से झोंपड़ी के पास से आ रही आवाज़ों के बारे में पता लगाने के लिए कहा।
5. राजा ने नाविकों से कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तुम चार बार झोंपड़ी तक गए। तुम्हें कितना परिश्रम करना पड़ा? और देखो, मंत्री जी ने एक ही बार जाकर सारी जानकारी प्राप्त कर ली। अब समझे कि मनुष्य होते हुए भी सब के सब एक समान नहीं होते – कोई शारीरिक परिश्रम कर सकता है और कोई मानसिक। सबकी बुद्धि एक समान नहीं होती इसलिए कोई मंत्री बनता है और कोई नाविक। हर किसी के कार्य का अपना-अपना महत्व है। जिस तरह तुम मंत्री का कार्य नहीं कर सकते, उसी तरह मंत्री जी भी तुम्हारी तरह परिश्रम नहीं कर सकते। इसमें न्याय-अन्याय की कोई बात नहीं है।

III. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. (क) सही (ख) गलत (ग) गलत (घ) गलत (ङ) सही (च) सही
2. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

IV. मूल्यपरक प्रश्न

1. (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓
2. राजा ने नाविकों की बातें सुनकर भी उन्हें डाँटने-फटकारने के बजाए समझाने का एक अच्छा तरीका अपनाया। राजा के इस गुण से हम प्रभावित हुए।

V. भाषा कौशल

1. (क) नाविक (ख) मछुआरा (ग) टापू (घ) पालतू
2. (क) भैया ने आवाज़ देकर बस को रोकना चाहा पर ड्राइवर ने सुना ही नहीं।
   (ख) परिश्रम करना ही सफलता की पहली सीढ़ी है।
   (ग) तेनालीराम अपनी बुद्धि के बल पर बड़े – बड़ों को पराजित कर देते थे।
   (घ) संसार के छोटे-बड़े सभी प्राणियों का समान महत्व है।
3. (क) नाविक (ख) शीतलता (ग) विश्वासी (घ) शारीरिक
4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

VI. रचनात्मक कोना

बच्चे स्वयं करें।

जाँच पत्र-2
(पाठ 11-19 पर आधारित)

कुल अंक 50

1. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बारिश होने से नदियों को नया जन्म मिल जाता है।

(ख) पेड़ों में यह बहस छिड़ गई थी कि उन सबमें ज़्यादा शक्तिशाली कौन है।

(ग) आग से लगा घाव भर सकता है परंतु कटु वचन सुनने पर दूसरों को जो पीड़ा होती है, वह कभी नहीं मिटाई जा सकती इसलिए हमें कटु वचन नहीं बोलने चाहिए।

(घ) मालवजी की अपनी माता से मिलने की हिम्मत नहीं हुई। मालवजी को भय था कि सारी बातें जानकर उसकी माता जी उसे वापस न आने देंगी।

(ङ) राजा ने नाविकों से कहा कि मेरे प्रश्नों का उत्तर देने के लिए तुम चार बार झोंपड़ी तक गए। तुम्हें कितना परिश्रम करना पड़ा? और देखो, मंत्री जी ने एक ही बार जाकर सारी जानकारी प्राप्त कर ली। अब समझे कि मनुष्य होते हुए भी सब के सब एक समान नहीं होते–कोई शारीरिक परिश्रम कर सकता है और कोई मानसिक। सबकी बुद्धि एक समान नहीं होती इसलिए कोई मंत्री बनता है और कोई नाविक। हर किसी के कार्य का अपना-अपना महत्व है। जिस तरह तुम मंत्री का कार्य नहीं कर सकते, उसी तरह मंत्री जी भी तुम्हारी तरह परिश्रम नहीं कर सकते। इसमें न्याय-अन्याय की कोई बात नहीं है।

(च) लोगों का राजघाट के दर्शन करने जाना इस बात को स्पष्ट करता है कि लोग राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का बहुत सम्मान करते हैं। उनके द्वारा बताए गए रास्ते पर चलना चाहते हैं तथा अहिंसा में विश्वास रखते हैं। राजघाट जाकर मन को शांति मिलती है।

2. बताइए कि ये वाक्य किसने किससे तथा क्यों कहे?

(क) राजा ने नाविक से (ख) शिवाजी ने मालवजी से

3. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

(क) पिसवाने (ख) पंख (ग) प्राचीन (घ) वीरता (ङ) बेजोड़

4. इन वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए–

(क) बतलाने (ख) मंद-मंद (ग) झटपट (घ) भारत (ङ) अपनी

5. उचित विकल्प चुनिए–

(क) (ii) (ख) (ii) (ग) (i) (घ) (iii) (ङ) (iii)

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) मुझे शीतल जल पीना है। (ख) यह बहुत मज़बूत दीवार है।

(ग) सदैव उज्जवल कपड़े पहनो। (घ) रात को यह सड़क सुनसान हो जाती है।

(ङ) अवसर दोबारा दस्तक नहीं देता। (च) शेर जंगल का राजा है।

पीरियोडिक टेस्ट-1
(पाठ 1 से 5 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) सन् 1829 में लुई ब्रेल को अपने प्रयास में कामयाबी तब मिली जब उन्होंने इस लिपि में अपनी पहली पुस्तक प्रकाशित की।
   (ख) सन् 1837 में उन्होंने संशोधित लिपि में दूसरी पुस्तक प्रकाशित की।
   (ग) लुई ब्रेल की लिपि को 'ब्रेल लिपि' के नाम से जाना जाता है।
   (घ) जिसे दिखाई न देता हो (ङ) प्रयत्न, कोशिश
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (iii) (ख) (i) बच्चे (ii) रोटियाँ (ग) (i) भाववाचक संज्ञा (ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा
   (घ) (i) शांति (ii) मित्रता (ङ) (i)
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) सूरज प्रतिदिन आकर संदेश देता है कि हमें आलस्य त्यागकर अपने-अपने कामों में जुट जाना चाहिए। हमें अपनी मेहनत से इस संसार को सुंदर बनाना चाहिए।
   (ख) गोपाल को पिंजरे के पास देखकर चीते ने अपना पंजा बाहर निकाला और गोपाल को पकड़ने की चेष्टा करने लगा।
   (ग) गुरु जी वरदराज को जो कुछ भी पढ़ाते थे, उसे वह याद ही नहीं रख पाता था। उसकी ऐसी स्थिति देखकर आश्रम में रहने वाले बच्चे वरदराज को 'मंदबुद्धि' कहकर चिढ़ाने लगे।
   (घ) 'ब्रेल लिपि' में अक्षरों और गणित के चिह्नों को कागज़ पर हलका उभार देकर छापा जाता है जिसे स्पर्श करके आसानी से अक्षर, शब्द, वाक्य आदि पढ़े जा सकते हैं।
   (ङ) राघव अपने सहपाठियों को अपने नए पड़ोसी के बेटे कार्तिक के बारे में बताना चाहता था। इसलिए उसको विद्यालय पहुँचने की जल्दी थी।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) प्रात:काल का आरंभ-समय तथा रोशनी (ii) चिड़ियों का चहकना (iii) लोगों का उपवन में जाना – सैर करना (iv) मंदिर की घंटियों का बजना (v) स्कूल जाते हुए बच्चे (vi) सड़कों पर भीड़-भाड़

पीरियोडिक टेस्ट-2
(पाठ 1 से 10 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) राजकुमार ने सरोवर के किनारे एक पुराने मंदिर में डेरा डाला।
   (ख) उसने रात में स्वप्न देखा कि एक लड़की सरोवर के किनारे बैठी है।
   (ग) उसके बाल काले और घने थे।
   (घ) (i) पहाड़ (ii) पुष्प (ङ) (i) राजकुमारी (ii) लड़का
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) चीते (ii) केले (ख) (i) व्यर्थ (ii) परिवर्तन (ग) (i) वृक्ष (ii) वायु
   (घ) (i) स्त्रीलिंग (ii) पुल्लिंग (ङ) (i) गीली (ii) आसान
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) कुएँ की जगत पर पड़े निशान को देखकर वरदराज ने विचार किया कि जब रस्सी की बार-बार रगड़ खाने से कठोर पत्थर पर निशान पड़ सकते हैं तो क्या लगातार परिश्रम करने से मैं विद्वान नहीं बन सकता!
   (ख) पेड़ गंदी हवा को प्राणवायु के रूप में बदल देते हैं।
   (ग) परी का असली रूप देखने के लिए नगरवासी राजमहल के बाहर जमा हो गए थे।
   (घ) तपस्या में लीन ऋषियों को देखकर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।
   (ङ) ममी किसी आदमी या जानवर के मृत शरीर को कहते हैं।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। **उत्तर के लिए संकेत-बिंदु –** (i) परियों का पहनावा – सुंदर पोशाक (ii) पंख (iii) परियों का उड़ना (iv) जादू की परियाँ (v) कुछ परियों की छोटी-मोटी कहानी।

पीरियोडिक टेस्ट–3
(पाठ 1 से 15 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 20**

1. (क) दिल्ली में कई ऐसे स्थल हैं जो 'विश्व धरोहर' के रूप में जाने जाते हैं।
   (ख) राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि है।
   (ग) दिल्ली में बच्चों की पसंद का एक स्थल है – शंकर गुड़िया संग्रहालय। इस संग्रहालय में देश-विदेश के गुड्डे और गुड़ियाँ रखी हैं।
   (घ) (i) नवीन (ii) दूर (ङ) पर्यटन
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii) (घ) (i) उगाना (ii) कराना
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) जब राजकुमार बड़ा हो गया तब राजा को उसके विवाह की चिंता हुई।
   (ख) सूरज प्रतिदिन आकर संदेश देता है कि हमें आलस्य त्यागकर अपने-अपने कामों में जुट जाना चाहिए। हमें अपनी मेहनत से इस संसार को सुंदर बनाना चाहिए।
   (ग) बारिश होने से नदियों को नया जन्म मिल जाता है।
   (घ) बाँस ने कहा कि मेरे यहाँ रहते कोई दूसरा शक्तिशाली कैसे हो सकता है! क्या जंगल के पेड़ों को पता नहीं कि मेरे बल पर ही ताकत का फ़ैसला होता है? जानते हो, मैं जिसके पास होता हूँ, वह अपने आप ही ताकतवर कहलाने लगता है। तभी तो लोग कहते हैं–'जिसकी लाठी उसकी भैंस।'
   (ङ) रामपाल ने क्योंजीमल और कैसलिया की लाठी से पिटाई करके उन दोनों को सबक सिखाया।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे। **उत्तर के लिए संकेत-बिंदु –** (i) प्रधानाचार्य को संबोधन तथा अभिवादन (ii) अपना परिचय कक्षा, वर्ग (iii) निवेदन – आप क्या चाहते हो? (iv) आभार तथा धन्यवाद (v) अपना नाम तथा कक्षा

नमूना प्रश्न-पत्र
(पाठ 1 से 20 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 50**

1. (क) ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर बसा एक छोटा-सा नगर था – अभयपुरी।
(ख) विश्वासपात्र मंत्री (ग) शीतल हवा मंद-मंद बह रही थी।
(घ) (i) पुल्लिग (ii) स्त्रीलिंग (ङ) (i) गरम (ii) बड़ा

2. निर्देशानुसार कीजिए –

(क) (i) नाविक (ii) शारीरिक (ख) (i) लेना (ii) अप्रसन्न

(ग) (i) (घ) (i) यत्न (ii) वृक्ष (ङ) (iii) (च) (i) अनोखा (ii) प्राचीन

(छ) (i) स्त्रीलिंग (ii) पुल्लिग (ज) (i) मूर्ति (ii) आवश्यकता

(झ) (i) भाववाचक संज्ञा (ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ञ) (i) बालपन (ii) कठिनाई

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) वरदराज के जीवन से प्रेरणा मिलती है कि हमें कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। हमें बार-बार प्रयत्न करते रहना चाहिए। अभ्यास ही मनुष्य को सफलता दिलाता है। जब तक हम अपने लक्ष्य को प्राप्त न कर लें तब तक कठिन परिश्रम करते रहना चाहिए। हमें छोटी-छोटी घटनाओं से सीखना चाहिए।

(ख) हिमालय पर जाकर सीखते रहने का कोई अंत नहीं है इसलिए बछेंद्री पाल ने हिमालय को एक पाठशाला कहा है।

(ग) शिवाजी के मन में मालवजी के प्रति प्रेम पैदा हो गया था। मालवजी के चले जाने के बाद भी शिवाजी उसे याद कर रहे थे इसलिए तानाजी ने मालवजी के बारे में ऐसा कहा।

(घ) राजा ने नाविक से झोंपड़ी के पास से आ रही आवाज़ों के बारे में पता लगाने के लिए कहा।

(ङ) अच्छे व्यक्ति पर कुसंगति का प्रभाव नहीं पड़ता है।

4. 5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।

उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) नदियों के नाम (ii) नदियों से लाभ (iii) प्रदूषित नदियाँ (iv) नदियों के प्रदूषण पर रोकथाम (v) कुछ पवित्र नदियों के नाम (vi) गंगा नदी का महत्व